

८ सं नमो ६ धन धाम धाम

कृष्णमीमांसा
अनन्तमिरु
पां कानादि
द्रोविद्यासु गो॥

१ कृष्णमीमांसा
२ अनन्तमिरु
३ पां कानादि
४ द्रोविद्यासु गो॥

१ कृष्णमीमांसा
२ अनन्तमिरु
३ पां कानादि
४ द्रोविद्यासु गो॥

१ कृष्णमीमांसा ४॥ अगस्त्यमनु ४॥

४५ नित्यार्चनं ललितारचापनोविधि
स्वल्पोविधानं आभेधेन

ASHA ARCHIVES 3275

॥ वलेशानतिथि याये ॥ उँ दीर्घं मल लघा पादुका ॥ उँ दीर्घं काय गमय याय ॥ उँ दीर्घं
वगाय गधी याय ॥ उँ दीर्घं दायत्रय गधी याय ॥ उँ दीर्घं कलियुग गधी याय ॥ उँ दीर्घं सुखद
धी याये ॥ उँ दीर्घं यथ वधी याय ॥ उँ दीर्घं साम वधी याय ॥ उँ दीर्घं धर्ष वधी याय
॥ उँ दीर्घं लक्ष्मी याय ॥ ६० ॥ दिला कयात्र ॥ उँ दीर्घं सुखि याय ॥ उँ दीर्घं लघु याय
॥ उँ दीर्घं वक्ष्य गधी याय ॥ उँ दीर्घं विष्णु गधी याय ॥ उँ दीर्घं वृद्ध गधी याय ॥ उँ दीर्घं लीला
गधी याय ॥ उँ दीर्घं महागि वधी याय ॥ उँ दीर्घं महारत्र वधी याय ॥ उँ दीर्घं श्री कृष्ण महारत्रि वाम
नाथी याय ॥ उँ दीर्घं सर्व यद्गु मय यद्गु धी याय ॥ मूलमकुर्ग मेक्ष्म संपूर्ण ॥ अर्थ युक्ता ॥
ॐ सुखि काली धी याय ॥ उँ दीर्घं काली धी याय ॥ उँ दीर्घं सहाव काली धी याय ॥ उँ दीर्घं लामा

काली धी याय ॥ उँ दीर्घं गुनाख्या काली धी याय ॥ अक्षदल ॥ यथा गमदिठ ॥ वाठडा दल ॥
उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान मुखमूर्ति काली २ अम्बा धी याय दक्षु नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी
महाज्ञान मुखमूर्ति काली २ अम्बा धी याय दक्षु नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान
सूर्यमूर्ति काली २ अम्बा धी याय दक्षु नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान भाममूर्ति
काली २ अम्बा धी याय दक्षु नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान आनन्दमूर्ति काली २ अम्बा
धी याय दक्षु नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान यशामूर्ति काली २ अम्बा धी याय दक्षु
नमः ॥ उँ दीर्घं स० धी महाज्ञान नरमूर्ति काली २ अम्बा धी याय दक्षु नमः ॥

ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान की वमूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी
महाज्ञान उमा विमूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान रूप
नयलामूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान स्वनकुली
धरुवटीमूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान ज्ञानय।
गुलमूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान ज्ञानताय
नीमूर्ति काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान न गयीमूर्ति
काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान मुदामूर्ति काली २ अ

म्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॐ क्रीं स० धी महाज्ञान मुखकाली सरुसमूर्तामूर्ति
वी काली २ अम्बा धी याद दूरु नमः ॥ ॥ ॐ महादेविनी धी याय ॥ ॐ धूमध्री याय
॥ ॐ कालिनी धी याय ॥ ॐ गम्भीरिणी धी याय ॥ ॐ गग। नी याय ॥ ॐ माया धी या
य ॥ ॐ महामाया धी याय ॥ ॐ निर्या धी याय ॥ ॐ गम्भीर धी याय ॥ ॐ विद्या धी याय ॥ ॐ
कामनदिनी धी याय ॥ ॐ उमानदिनी धी याय ॥ ॐ शिवानदिनी धी याय ॥ ॐ गुरुग
नदिनी धी याय ॥ ॐ पुनानदिनी धी याय ॥ ॐ महालक्ष्मी धी याय ॥ ॐ लक्ष्मी धी याय
॥ ॐ सर्वग धी याय ॥ ॐ विद्या धी याय ॥ ॐ मीनजा धी याय ॥ ॐ अमृता धी याय ॥ ॐ वलि

[illegible][illegible]

॥ ॥ कृष्ण नमः ॥ खं नमः ॥
कान्ति नमः ॥ वं लक्ष्मी नमः ॥ कृष्ण

॥ ॥ वं भक्तये नमः ॥ ॥
व्यक्तये नमः ॥ ॥ स्तुति

नमः॥ ॐ सिद्धे नमः॥ इति कवचवर्णनं संपूर्णम्॥ साधयनिष्ठा॥ ॐ ह्रीं नमः॥
 ॐ विषद्वे सूर्यादि सद्वाताव विषदतिथिर्द्वयोऽसौ॥ नृपद्वयसद्वे स
 द्वा मसद्वे का॥ गमजा मरुजा जूडिजा मरुगुद॥ ०॥ ॐ जगत्त्रये नमः॥
 ॥ ॐ पालिनी नमः॥ ॐ गमनी नमः॥ ॐ जगत्त्रये नमः॥ ॐ विष्णवे नमः॥ गीता
 मित्राय नमः॥ धर्मवत्तय नमः॥ ॐ जगत्त्रये नमः॥ धर्मवत्तय नमः॥ न
 दीर्घाय नमः॥ ॐ गवर्जने नमः॥ ॐ साधयनिष्ठा विष्णवे॥ ॐ युगद्विषु
 सवर्गवत्तय नमः॥ गमनी नमः॥ कवचा निविष्ठा॥ यथा वृष विष्णवे
 ॐ विष्णवे यन्निष्ठवर्तमानि विष्णवे॥ ॥ यमीक्ष्णवे नमः॥ ॐ जगत्त्रये नमः॥

वरुणाय नमः॥ रंगद्वये नमः॥ मरु नमः॥ रंकाधिन्ये नमः॥ व
 क्रियाय नमः॥ लंडकाय नमः॥ वरुणाय नमः॥ घयवर्णनं संपूर्णम्॥
 साधयनिष्ठा विष्णवे॥ ॐ शुर्वकं यजामहे सुगन्धिं मृद्वि वद्वर्नं॥ उवाचुक
 मिव वधना मृत्वा मूर्ध्नीय मामृता॥ शुर्वकं यजामहे सुगन्धिं मृद्वि निव
 द्वर्नं॥ उवाचुक मिव वधना दिवा मूर्ध्नीय मामृता॥ ॥ गीता गाय नमः॥
 धर्मवत्तय नमः॥ संपूर्णवत्तय नमः॥ सिताय नमः॥ अनकाय न
 मः॥ गवर्जने नमः॥ साधयनिष्ठा विष्णवे॥ ॐ गद्विष्णवे॥ यवर्मयद्वे सदा

पञ्चनिभुवयः॥ दिवीवचनं वा ततम॥ ॥ अंनिवृत्तौ नमः॥ अंयनिष्ट
येनमः॥ ॐ विद्यायेनमः॥ ॐ गीतायेनमः॥ ॐ नेमः॥ ॐ ॐ न्दीकायेनमः॥ ॐ दी
यिकायेनमः॥ ॐ नाकायेनमः॥ ॐ मावि कायेनमः॥ ॐ सूत्रायेनमः॥
ॐ सूत्रामृतायेनमः॥ ॐ ज्ञानायेनमः॥ ॐ जमृतायेनमः॥ ॐ आया
येनमः॥ ॐ यायिनेनमः॥ ॐ यामनूपायेनमः॥ ॐ अवर्गसं
प्रद॥ यायतिष्ठ कृत्वा॥ विष्णुया नि कल्ययतु त्वसा नूजा विविष्णु नु अं सि
ॐ प्रजापतिभतागर्ह दभ उत ॥ ॐ या वा च ॥ ॥ तासां या या दीन्यत्य कं प्रज
नी ॥ ॥ ॐ तिकला प्रजनं ॥

[illegible]

शदलवमादीमद्यर्थ ॥ बहु४काष्टा उरियान्, अनान्वव, दूरगिनि
 कामवृत्त्यान्संश्रय ॥ गगकःमन्दत्वागिष्यसंस्माथ ॥





Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, with some lines containing multiple entries separated by vertical lines. The script is dense and appears to be a form of accounting or record-keeping. The text is written in black ink on aged, yellowish-brown paper.

॥ ४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००॥

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form or document. The text is arranged in approximately 10 lines across the top page. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form or document. The text is arranged in approximately 10 lines across the bottom page. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and characteristic of the late Middle Ages.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and characteristic of the late Middle Ages.

